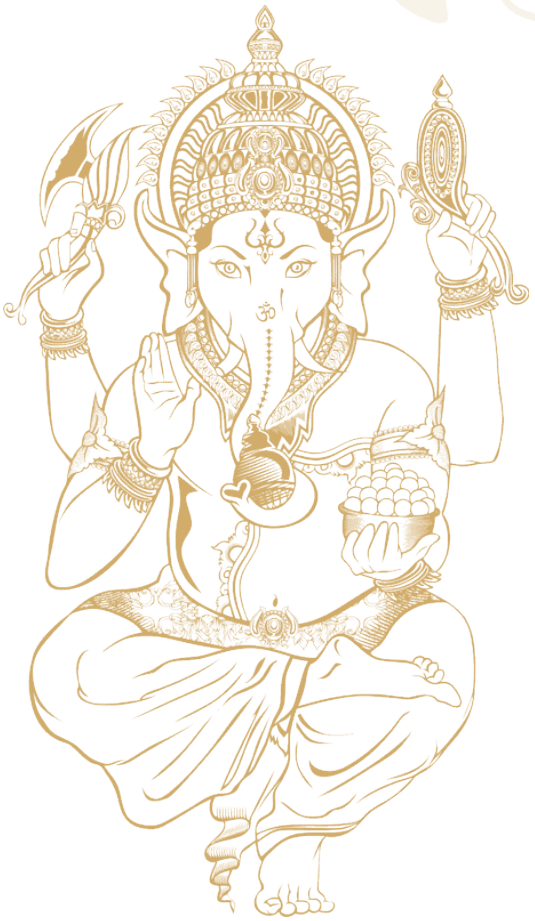

Mr.

17 Mar 2026

07:41 PM

Delhi

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121626805

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/03/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**19:41:00 घंटे**
इष्ट	32:59:51 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:19:52 घंटे
वेलान्तर	-00:08:22 घंटे
साम्पातिक काल	07:00:32 घंटे
सूर्योदय	06:29:03 घंटे
सूर्यास्त	18:30:27 घंटे
दिनमान	12:01:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	02:45:59 मीन
लग्न के अंश	19:05:35 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	साध्य
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सी-सीताराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	19:05:35	316:42:29	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
सूर्य			मीन	02:45:59	00:59:45	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	14:05:20	13:28:42	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	17:35:10	00:47:12	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	सम राशि
बुध	व		कुंभ	14:47:46	00:19:59	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
गुरु			मिथु	20:55:47	00:01:15	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	19:36:50	01:14:22	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:31:33	00:07:28	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:45:30	00:00:02	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:45:30	00:00:02	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:58:24	00:02:03	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:26:02	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:42:58	00:01:19	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	19:42:44	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

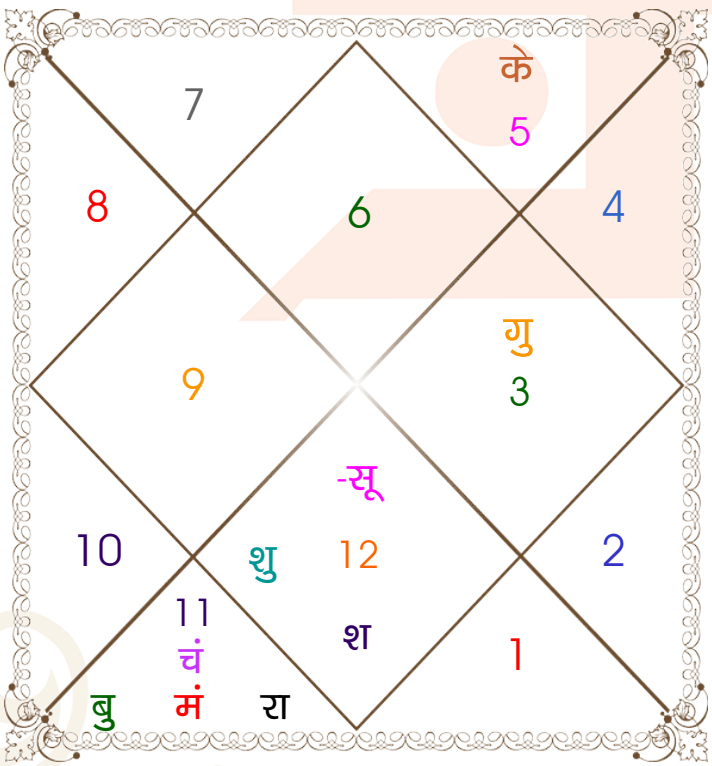

चन्द्र कुंडली

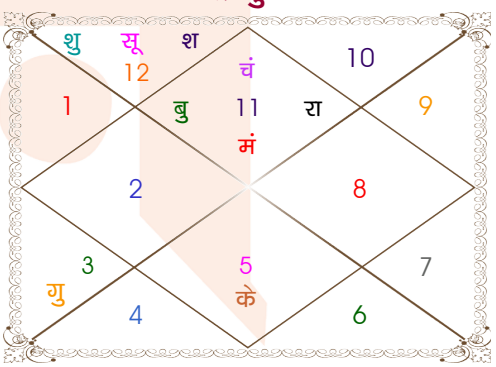

नवमांश कुंडली

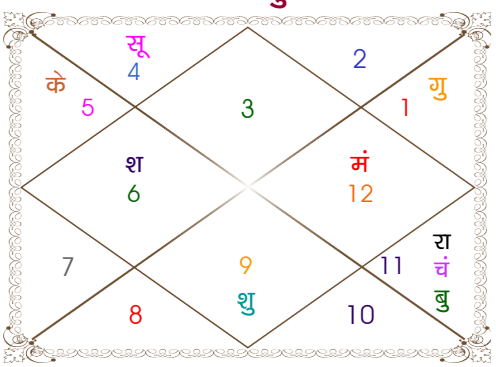

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 7 वर्ष 11 मास 23 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
17/03/2026		10/03/2034		10/03/2050		10/03/2069		10/03/2086	
10/03/2034		10/03/2050		10/03/2069		10/03/2086		10/03/2093	
	00/00/0000	गुरु	27/04/2036	शनि	13/03/2053	बुध	06/08/2071	केतु	06/08/2086
	00/00/0000	शनि	08/11/2038	बुध	21/11/2055	केतु	03/08/2072	शुक्र	06/10/2087
	17/03/2026	बुध	13/02/2041	केतु	30/12/2056	शुक्र	03/06/2075	सूर्य	11/02/2088
बुध	09/09/2026	केतु	20/01/2042	शुक्र	29/02/2060	सूर्य	09/04/2076	चंद्र	11/09/2088
केतु	27/09/2027	शुक्र	20/09/2044	सूर्य	10/02/2061	चंद्र	08/09/2077	मंगल	07/02/2089
शुक्र	27/09/2030	सूर्य	09/07/2045	चंद्र	12/09/2062	मंगल	06/09/2078	राहु	26/02/2090
सूर्य	22/08/2031	चंद्र	08/11/2046	मंगल	21/10/2063	राहु	25/03/2081	गुरु	02/02/2091
चंद्र	19/02/2033	मंगल	15/10/2047	राहु	27/08/2066	गुरु	01/07/2083	शनि	13/03/2092
मंगल	10/03/2034	राहु	10/03/2050	गुरु	10/03/2069	शनि	10/03/2086	बुध	10/03/2093

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
10/03/2093		11/03/2113		11/03/2119		11/03/2129		10/03/2136	
11/03/2113		11/03/2119		11/03/2129		10/03/2136		00/00/0000	
शुक्र	09/07/2096	सूर्य	28/06/2113	चंद्र	10/01/2120	मंगल	07/08/2129	राहु	22/11/2138
सूर्य	09/07/2097	चंद्र	28/12/2113	मंगल	10/08/2120	राहु	25/08/2130	गुरु	16/04/2141
चंद्र	10/03/2099	मंगल	05/05/2114	राहु	09/02/2122	गुरु	01/08/2131	शनि	21/02/2144
मंगल	10/05/2100	राहु	30/03/2115	गुरु	11/06/2123	शनि	09/09/2132	बुध	18/03/2146
राहु	11/05/2103	गुरु	16/01/2116	शनि	09/01/2125	बुध	06/09/2133		00/00/0000
गुरु	09/01/2106	शनि	28/12/2116	बुध	10/06/2126	केतु	02/02/2134		00/00/0000
शनि	11/03/2109	बुध	03/11/2117	केतु	09/01/2127	शुक्र	05/04/2135		00/00/0000
बुध	10/01/2112	केतु	11/03/2118	शुक्र	09/09/2128	सूर्य	10/08/2135		00/00/0000
केतु	11/03/2113	शुक्र	11/03/2119	सूर्य	11/03/2129	चंद्र	10/03/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 7 वर्ष 11 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय है तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित प्राणी हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी व्यक्ति है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आते परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपकी पत्नी बुद्धिमति है तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपके उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकते हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपका अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्याम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकते हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकते हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें। आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति के प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करते रहते हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहते हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए रंग नीला, काला एवं लाल रंग अनुकूल नहीं है। आपको रंगों में पीला, सफेद, हरा एवं सूआपंखी रंग पूर्णतः अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।